



हिन्दी साहित्य परिषद्

संत ज़ेवियर कॉलेज, राँची



“मीडिया की भाषा”

दिनांक : 09 जुलाई 2024

हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में संत ज़ेवियर कॉलेज, राँची में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका विषय था- “मीडिया की भाषा”।

स्वागत वक्तव्य संत ज़ेवियर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय द्वारा दिया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता राँची विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय ने की। अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि शब्द जीवंत हैं मृत नहीं इसलिए शब्दों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. विनीत कुमार थे जो संत ज़ेवियर महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र रहे हैं। उन्होंने मीडिया की भाषा पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए लिखित एवं अलिखित भाषा के महत्व को रेखांकित किया उन्होंने कहा कि “मौन अपने आप में एक सशक्त अभिव्यक्ति है”। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया में दृश्यात्मक भाषा के महत्व पर बल दिया।

संगोष्ठी में डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. मेल्टीना टोप्पो एवं डॉ. संजय कुमार की सक्रिय भूमिका रही।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो एवं धन्यवाट ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने किया। इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विधार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही।







संत ज़ेवियर कॉलेज रांची में एक दिवसीय संगोष्ठी: “मीडिया की भाषा”

झारखंड/बिहार

📅 9 July 2024 👤 Shahnawaz 💬 Leave A Comment

संगोष्ठी का आयोजन और विषय

संत ज़ेवियर कॉलेज, रांची में हिन्दी विभाग एवं हिन्दी साहित्य परिषद् के तत्वावधान में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का विषय था- “मीडिया की भाषा”।

स्वागत वक्तव्य और अध्यक्षीय भाषण

संगोष्ठी का स्वागत वक्तव्य संत ज़ेवियर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. जय प्रकाश पाण्डेय द्वारा दिया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता रांची विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय ने की। अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा कि, शब्द जीवंत हैं, मृत नहीं। इसलिए शब्दों का प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए।

मुख्य वक्ता: डॉ. विनीत कुमार

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. विनीत कुमार थे, जो संत ज़ेवियर महाविद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र रहे हैं। उन्होंने मीडिया की भाषा पर सारगर्भित व्याख्यान दिया और लिखित एवं अलिखित भाषा के महत्त्व को रेखांकित किया। डॉ. विनीत कुमार ने कहा कि “मौन अपने आप में एक सशक्त अभिव्यक्ति है” और मीडिया में दृश्यात्मक भाषा के महत्त्व पर बल दिया।

अन्य प्रमुख व्यक्तित्व और संचालन

संगोष्ठी में डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. मेल्टीना टोप्पो, एवं डॉ. संजय कुमार की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापिका कोमल खलखो ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुनील कुमार भाटिया ने दिया।

विद्यार्थियों की सहभागिता

इस अवसर पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। उनकी उपस्थिति और सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी सफल बनाया।